वेटलैंड सिटी मान्यता: वैश्विक सूची

चर्चा में क्यों?

इंदौर और उदयपुर [रामसर अभिसमय](#) के तहत **आर्द्रभूमि शहर (वेटलैंड सिटी) के रूप में मान्यता प्राप्त करने वाले** पहले **दो भारतीय शहर** बन गए हैं।

मुख्य बिंदु

- **आर्द्रभूमि संरक्षण के लिये अंतर्राष्ट्रीय मान्यता:**
  - [वेटलैंड सिटी मान्यता](#) उन शहरों को मान्यता देती है जो अपने **प्राकृतिक और मानव निर्मित वेटलैंड्स के संरक्षण को प्राथमिकता देते हैं।**
  - वेटलैंड सिटी मान्यता पर सलाहकार समिति ने इंदौर और उदयपुर सहित **31 नए शहरों को मान्यता प्रदान की, जिससे मान्यता प्राप्त वैश्विक शहरों की संख्या 74 हो गई।**
- **भोपाल को मान्यता प्राप्त करने में असफलता मिली:**
  - भोपाल, जिसे इंदौर और उदयपुर के साथ नामित किया गया था, को [भोज आर्द्रभूमि](#) पर पारिस्थितिक प्रभाव की **चिंताओं के कारण मान्यता नहीं** मिली।
  - नागरिक समूहों ने **आर्द्रभूमि के जलग्रहण क्षेत्र से होकर गुजरने वाली प्रस्तावित सड़क परियोजना** के संबंध में **चिंता व्यक्त की है,** जिससे स्थानीय जल निकायों और वन्य जीवन को जोखिम हो सकता है।
- **वेटलैंड सिटी मान्यता हेतु मानदंड:**
  - शहरों को **छह अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों को पूरा करना होगा,** जिनमें शामिल हैं:
    - आर्द्रभूमि और उनकी पारिस्थितिकी सेवाओं का संरक्षण करना।
    - स्थानीय जनसंख्या के लिये स्थायी सामाजिक-आर्थिक लाभ सुनिश्चित करना।
- **वेटलैंड सिटी मान्यता की वैश्विक स्थिति:**
  - चीन 22 मान्यता प्राप्त शहरों के साथ **वैश्विक सूची में शीर्ष पर है, जबकि फ्रांस** 9 शहरों के साथ दूसरे स्थान पर है।
  - मान्यता कार्यक्रम **शहरी और अर्ध-शहरी आर्द्रभूमि के सतत उपयोग को बढ़ावा देता है।**

वेटलैंड सिटी प्रमाणन (WCA)

- WCA एक **स्वैच्छिक मान्यता प्रणाली है, जिसे रामसर अभिसमय द्वारा 12 अनुबंध पक्षों के सम्मेलन (COP) 2015** के दौरान स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य उन शहरों को मान्यता देना है जिन्होंने अपने शहरी आर्द्रभूमि की सुरक्षा के लिये असाधारण कदम उठाए हैं।
  - WCA **6 वर्षों के लिये मान्य** होता है।
- इस योजना का **उद्देश्य शहरी और अर्द्ध-शहरी आर्द्रभूमि के संरक्षण और विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देना है,** साथ ही स्थानीय जनसंख्या के लिये स्थायी सामाजिक-आर्थिक लाभ प्रदान करना है।